

---

bhagavatIstotram

भगवतीस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : bhagavatIstotram

File name : bhagavatiistotra.itx

Category : devii, pArvatI, stotra, vyAsa, devI

Location : doc\_devii

Author : Maharshi\_Vyas

Proofread by : Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

Latest update : October 20, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

भगवतीस्तोत्रम्



जय भगवति देवि नमो वरदे जय पापविनाशिनि बहुफलदे ।  
जय शुम्भ-निशुम्भ कपालधरे प्रणमामि तु देवि नरार्तिहरे ॥ १ ॥

जय चन्द्रदिवाकर-नेत्रधरे जय पावकभूषितवक्रवरे ।  
जय भैरवदेहनिलीनपरे जय अन्धकदैत्यविशोषकरे ॥ २ ॥

जय महिषविमर्दिनिशूलकरे जय लोकसमस्तकपापहरे ।  
जय देवि पितामहविष्णुनुते जय भास्करशक्रशिराऽवनते ॥ ३ ॥

जय षण्मुख-सायुध-ईशनुते जय सागरगामिनि शम्भुनुते ।  
जय दुःख-दरिद्र-विनाशकरे जय पुत्रकल त्रिविद्विकरे ॥ ४ ॥

जय देवि समस्तशरीरधरे जय नाकविदर्शिनि दुःखहरे ।  
जय व्याधिविनाशिनि मोक्षकरे जय वाञ्छितदायिनि सिद्धिकरे ॥ ५ ॥

एतद्व्यासकृतं स्तोत्रं यः पठेन्नियतः शुचिः ।  
गृहे वा शुद्धभावेन प्रीता भगवती सदा ॥ ६ ॥

॥ इति व्यासकृतं भगवतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

